SHORT SUMMARY OF THE WORK DONE ON THE UGC MINOR RESEARCH PROJECT

Title of the Research Project	**:**	**Bhartiya Jeevan Beema Nigam avam S.B.I. Life Insurance Company ki Vittiya Isthithi ka Tulnatmak Adhyayan.**
Name and Address of Principal Investigator	**:**	**Dheeraj Katiyar, Assistant Professor, Department of Commerce, Christian Eminent Academy of Management, Professional Education & Research, F-Sector, HIG, R.S.S. Nagar Main Road, Indore**
UGC approval Letter No. and Date	**:**	**MH-81/103039//XII/13-14/CRO dated 12/01/2015**

Summary of the Findings

संसार में पाये जाने वाले प्राणियों में मानव ही विवेकशील प्राणी है । वह अपने व आश्रितजनों के वर्तमान व भविष्य का चिंतन करता है । इस चिंतन में वह वर्तमान को अच्छे से जीना चाहता है, तथा भविष्य जो कि अनिश्चिताओं से घिरा हुआ है सुखद बनाना चाहता है। भारत में आज भी कुल जनसंख्या का 49 प्रतिशत ही बीमित है। बीमा क्षेत्र ग्रामीणों को अपनी और आकर्षित करने में असफल रहा है जबकि भारतीय जनसंख्या का 68 प्रतिशत भाग आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करता है।

उदारीकरण के पूर्व यदि भारतीय लोगों में संचय की प्रवृत्ति धीमी गति से बढ़ रही थी बैंक से कम ब्याज के प्रत्याय के उपरांत भी संचय का लगभग 23 प्रतिशत भाग बैंकों में जमा था क्योंकि लोग बीमा कंपनी में अपने संचय को विनियोजित करने के स्थान पर बैंक में रूपये जमा करना ज्यादा उचित समझ रहे थे।

दिसंबर 1999 में बीमा नियमन एवं विकास प्राधिकरण 1999 के पारित होने के बाद भारत में बीमा व्यवसाय के निजीकरण के द्वार खुल गये व निजीकरण प्रक्रिया पुनः प्रारंभ हो गई। निजीकरण की अनुमति के उपरांत अनेक विदेशी कंपनियाँ भारतीय कंपनियों की साझेदारी के साथ बीमा व्यवसाय के लिए अग्रसर हुई।

भारत में एस.बी.आई. लाईफ 1000 करोड़ की अधिकृत पूंजी के साथ रजिस्टर्ड हुई । उस समय इस कंपनी की निर्गमित चुकता पूंजी 350 करोड़ थी, जिसमें एस.बी.आई. का हिस्सा 74% एवं कार्डिफ कंपनी का 26% था ।

शोध के दौरान संस्थाओं के विश्लेषण के उपरांत निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुए हैं :-

प्राप्त प्रीमियम :- जीवन बीमा निगम की प्राप्त प्रीमियम में आधार वर्ष की तुलना में सन् 2014-15 (203473.39-239667.65)17.79% वृद्धि रही ।

एस.बी.आई. लाईफ में प्राप्त प्रीमियम में आधार वर्ष से तुलना में सन् 2014-15 (12911. 64-12867.71) 0.34% कमी रही।

चुकाए गए दावों की राशि :- जीवन बीमा निगम में सन् 2014-15 में आधार वर्ष से तुलना में ये 24.15% अधिक हो गये। एस.बी.आई. लाईफ में चुकाये गये दावों की राशि में आधार वर्ष से तुलना में 64.31% वृद्धि अर्जित की है।

शुद्ध लाभ :- एस.बी.आई. लाईफ इन्श्योरेंस कंपनी ने लाभ की प्रवृत्ति को बनाये रखा। ये 2014-15 में आधार वर्ष से तुलना में 110392 करोड हो गये जिसमे (110392-99868)9.53% वृद्धि रही। जीवन बीमा निगम में लगातार लाभ की प्रवृत्ति अंकित रही।ये 2014-15 में आधार वर्ष से तुलना में 1823.78 हो गये जिसमें (1823. 78-1171.8)55.64% वृद्धि रही।

3 ग्राहक संतुष्टि निष्कर्ष :

- एस.बी.आई. लाईफ इंश्योरेंस के 70 प्रतिशत तथा भारतीय जीवन बीमा निगम के 40 प्रतिशत बीमाधारी इस बात से सहमत है कि उन्हें वैकल्पिक प्रस्तावों की जानकारियां प्रदान की गईं है।
- एस.बी.आई. लाईफ इंश्योरेंस के 55 प्रतिशत ने बेहतर पॉलिसियो तथा भारतीय जीवन बीमा निगम के 55 प्रतिशत बीमाधारीयो ने भारत सरकार द्वारा पुनर्भुगतान की ग्यारंटी के

SHORT SUMMARY OF THE WORK DONE ON THE UGC MINOR RESEARCH PROJECT

Title of the Research Project	**:**	**Bhartiya Jeevan Beema Nigam avam S.B.I. Life Insurance Company ki Vittiya Isthithi ka Tulnatmak Adhyayan.**
Name and Address of Principal Investigator	**:**	**Dheeraj Katiyar,** **Assistant Professor, Department of Commerce,** **Christian Eminent Academy of Management, Professional Education & Research,** **F-Sector, HIG, R.S.S. Nagar Main Road, Indore**
UGC approval Letter No. and Date	**:**	**MH-81/103039//XII/13-14/CRO dated 12/01/2015**

कारण **कंपनी का चयन** किया।

- निगम के केवल 15% बीमित यह मानते हैं कि उन्हें विभिन्न पालिसियों की जानकारियां व्यक्तिगत रूप से प्रदान की गई है, जबकि एस.बी.आई. लाईफ के 95%। अतः व्यक्तिगत जानकारियां प्रदान करने में एस.बी.आई. निगम से बहुत आगे हैं ।

कंपनियों के बीमितों ने 90 प्रतिशत से उपर इस बात पर अपनी सहमति व्यक्त की है, वे अपने कंपनियों द्वारा पॉलिसी देने की प्रक्रिया से संतुष्ट है एवं 90 प्रतिशत के ऊपर ही बीमितों ने एजेन्ट द्वारा दी जा रही सुविधाओं पर सहमति व्यक्त की है ।

- दोनों बीमा संस्थाओं के बीमाधारियों की राय में ली जा रही प्रीमियम के प्रति सामान्य है, परन्तु एस.बी.आई.लाईफ के बीमाधारी निगम के बीमाधारियों से यह मानते हैं कि ली जा रही प्रीमियम अधिक है।

- निगम के बीमाधारियों से दावों के भुगतान के संबंध में अधिक संतोष व्यक्त किया है।

निगम में 80% ने अभिकर्ता से पॉलिसी क्रय हेतु सम्पर्क किया, जबकि लाईफ में 65% ने अभिकर्ता से संपर्क किया; इस तरह लाईफ निगम की तुलना में अपने ग्राहकों से सम्पर्क करने में आगे है।